

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता  
(कार्मिक अनुभाग-2) सिंचाई विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून

३२१२

पत्रांक:- / प्र०अ० / सिं०वि० / का०-२ / ई-२१ / स्था०

दिनांक 25 जून 2019

- कार्यालय झाप -

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए निर्गत वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत अनुसार राजस्व अधिष्ठान में कार्यरत निम्नलिखित जिलेदारों को उनके नाम के सम्मुख अंकित कालम-3 में उल्लिखित कार्यालय से कालम-4 में अंकित कार्यालय में एतदद्वारा जनहित में स्थानान्तरित किया जाता है।

क्र० सं०	नाम/जन्मतिथि/ गृह जनपद	कार्यरत कार्यालय का नाम	स्थानान्तरित कार्यालय का नाम	अधिनियम की धारा	अधिनियम में निहित प्राविधानानुसार वापसी का वर्ष
2	3	4	5		

**अनिवार्य स्थानान्तरण सुगम से दुर्गम**

01	श्री नन्दकिशोर जुयाल / 01.01.1973 / अल्मोड़ा।	सिंचाई खण्ड, रामनगर	सिंचाई खण्ड, बागेश्वर	उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए स्थानान्तरण विधेयक-2017 की धारा-07 (क) (ख) के तहत स्थानान्तरण।	अधिनियम की धारा-7 (ग) में निहित प्राविधानानुसार।
----	---	---------------------	-----------------------	---	--

सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारियों को यह निर्देशित किया जाता है कि स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित निम्नानुसार प्राविधानों के अन्तर्गत अपने अधिनस्त कार्यालय से स्थानान्तरित प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित समयान्तरागत कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा अनुपालन आख्या तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे:-

- प्रत्येक स्थानान्तरित कार्मिक को पदस्थापित कार्यालय में आदेश निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह तक प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। तदनुसार सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कार्मिक को ससमय कार्यमुक्त कराना होगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को कार्यमुक्त किये जाने के पश्चात वर्तमान कार्यालय द्वारा वेतन आहरित नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को नियमानुसार अनुमन्य कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining) का उपभोग कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कर सकेंगे।
- स्थानान्तरित कार्मिक को किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित किये गये कार्मिकों के द्वारा नव तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण न करने पर उनके विरुद्ध धारा 24 के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।
- यदि स्थानान्तरित कार्मिक द्वारा स्थानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पति/पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धियों से प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस कार्मिक की व्यक्तिगत पत्रावली में रखा जायेगा और ऐसे प्रत्यावेदनों को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित कार्मिक की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में भी इस आचरण को अंकित किया जायेगा।
- यदि कोई सरकारी सेवक स्थानान्तरण आदेश के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करे तो, उसके इस कृत्य/आचरण को “सरकारी आचरण नियमावली” का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध “उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 (समय समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
- जो कोई इस अधिनियम के अधीन दिए गए किसी आदेश या निर्देश का, ऐसे समय के भीतर, जो उक्त आदेश या निर्देश में विनिर्दिष्ट किया जाय, अनुपालन करने में असफल रहेगा या इस अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या इस उल्लंघन करने का प्रयत्न करेगा, वह ‘उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 (समय-समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अधीन दण्डनीय होगा।

३२१२  
संख्या:- / प्र०अ० / कार्मिक / तदिनांक

मुकेश मोहन  
मुख्य अभियन्ता (स्तर-1)

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

- मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), सिंचाई विभाग, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
- अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई कार्य मण्डल, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
- अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, रामनगर/बागेश्वर।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी / उपकोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- विभागीय पोर्टल पर अपलोड हेतु।
- कट फाईल हेतु।

  
 (शरद श्रीवास्तव)  
 वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी (कार्मिक-2)  
 कृते प्रमुख अभियन्ता

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता  
(कार्मिक अनुभाग-2) सिंचाई विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून

**३२।३**

पत्रांक:- / प्र०३० / सिंचाई / का०-२ / ई-२१ / स्था०

दिनांक 25 जून 2019

— कार्यालय ज्ञाप —

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए निर्गत वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत अनुसार राजस्व अधिकार अन्तर्गत सीचपर्यवेक्षक को उनके नाम के सम्मुख अंकित कालम-3 में उल्लिखित कार्यालय से कालम-4 में अंकित कार्यालय में एतदद्वारा जनहित में स्थानान्तरित किया जाता है।

क्र० सं०	नाम/ जन्मतिथि/ गृह जनपद	कार्यरत कार्यालय का नाम	स्थानान्तररित कार्यालय का नाम	अधिनियम की धारा	अधिनियम में निहित प्रविधानानुसार वापसी का वर्ष
1	2	3	4	5	
<b>अनिवार्य स्थानान्तरण सुगम से दुर्गम</b>					
01	श्री कोस्टुबानन्द डालाकोटी / 15.12.1968 / अल्मोड़ा।	सिंचाई खण्ड, हल्द्वानी।	सिंचाई खण्ड, लोहाघाट।	उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए स्थानान्तरण विधेयक-2017 की धारा-07 के तहत स्थानान्तरण।	अधिनियम की धारा-7 (ग) में निहित प्रविधानानुसार

सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारियों को यह निर्देशित किया जाता है कि स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित निम्नानुसार प्राविधानों के अन्तर्गत अपने अधिनस्थ कार्यालय से स्थानान्तरित प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित समयान्तर्गत कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा अनुपालन आख्या तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे।

- प्रत्येक स्थानान्तरित कार्मिक को पदस्थापित कार्यालय में आदेश निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह तक प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। तदनुसार सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कार्मिक को समय कार्यमुक्त कराना होगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को कार्यमुक्त किये जाने के पश्चात वर्तमान कार्यालय द्वारा वेतन आहरित नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को नियमानुसार अनुमन्य कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining) का उपभोग कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कर सकेंगे।
- स्थानान्तरित कार्मिक को किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित किये गये कार्मिकों के द्वारा नव तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण न करने पर उनके विरुद्ध धारा 24 के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।
- यदि स्थानान्तरित कार्मिक द्वारा स्थानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पति/पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धियों से प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस कार्मिक की व्यक्तिगत पत्रावली में रखा जायेगा और ऐसे प्रत्यावेदनों को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित कार्मिक की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में भी इस आचरण को अंकित किया जायेगा।
- यदि कोई सरकारी सेवक स्थानान्तरण आदेश के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करे तो, उसके इस कृत्य/आचरण को "सरकारी आचरण नियमावली" का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध "उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 (समय समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
- जो कोई इस अधिनियम के अधीन दिए गए किसी आदेश या निदेश का, ऐसे समय के भीतर, जो उक्त आदेश या निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाय, अनुपालन करने में असफल रहेगा या इस अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या इस उल्लंघन करने का प्रयत्न करेगा, वह उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 (समय-समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अधीन दण्डनीय होगा।

**३२।३**

संख्या:- / प्र०३० / कार्मिक / तदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

- मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), सिंचाई विभाग, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
- अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई कार्य मण्डल, हल्द्वानी/पिथौरागढ़।
- अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, हल्द्वानी/लोहाघाट।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी/उपकोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- विभागीय पोर्टल पर अपलोड हेतु।
- कट फाईल हेतु।

मुकेश मोहन  
मुख्य अभियन्ता (स्तर-1)

(शरद श्रीवास्तव)  
वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी (कार्मिक-2)  
कृत प्रमुख अभियन्ता

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता  
(कार्मिक अनुसारा-2) सिंचाई विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून

**३२१४**

पत्रांक:- / प्र०अ० / सिंच०वि० / का०-२ / ई-२१ / रथा०

दिनांक 25 जून 2019

— कार्यालय ज्ञाप —

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए निर्गत वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत अनुसार राजस्व अधिष्ठान में कार्यालय निम्नलिखित सीधपर्यवेक्षक को उनके नाम के सम्मुख अंकित कालम-3 में उल्लिखित कार्यालय से कालम-4 में अंकित कार्यालय में एतदद्वारा जनहित में स्थानान्तरित किया जाता है।

क्र० सं०	नाम/जन्मतिथि/ गृह जनपद	कार्यरत कार्यालय का नाम	स्थानान्तररित कार्यालय का नाम	अधिनियम की धारा	अधिनियम में निहित प्रविधानानुसार वापसी का वर्ष
2	/ 3	4	5	अनिवार्य स्थानान्तरण सुगम से दुर्गम	
01	श्री आशीष कुमार शर्मा / 18.6.1974 / नैनीताल।	सिंचाई खण्ड, रामनगर।	सिंचाई खण्ड, रानीखेत।	उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए स्थानान्तरण विधेयक-2017 की धारा-07 के तहत स्थानान्तरण।	अधिनियम की धारा-7 (ग) में निहित प्रविधानानुसार

सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारियों को यह निर्देशित किया जाता है कि स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित निम्नानुसार प्राविधानों के अन्तर्गत अपने अधिनस्त कार्यालय से स्थानान्तरित प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित समयान्तर्गत कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा अनुपालन आख्या तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे।

- प्रत्येक स्थानान्तरित कार्मिक को पदस्थापित कार्यालय में आदेश निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह तक, तिस्थानी की प्रतीक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। तदनुसार सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कार्मिक को सम्मय कार्यमुक्त कराना होगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को कार्यमुक्त किये जाने के पश्चात वर्तमान कार्यालय द्वारा वेतन आहरित नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को नियमानुसार अनुमन्य कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining) का उपभोग कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कर सकेंगे।
- स्थानान्तरित कार्मिक को किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित किये गये कार्मिकों के द्वारा नव तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण न करने पर उनके विरुद्ध धारा 24 के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।
- यदि स्थानान्तरित कार्मिक द्वारा स्थानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पति/पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धियों से प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस कार्मिक की व्यक्तिगत पत्रावली में रखा जायेगा और ऐसे प्रत्यावेदनों को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित कार्मिक की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में भी इस आचरण को अंकित किया जायेगी।
- यदि कोई सरकारी सेवक स्थानान्तरण आदेश के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करे तो, उसके इस कृत्य/आचरण को "सरकारी आचरण नियमावली" का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध "उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 (समय समय पर यथासंशोधित)" के संगत प्राविधानों के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
- जो कोई इस अधिनियम के अधीन दिए गए किसी आदेश या निदेश का, ऐसे समय के भीतर, जो उक्त आदेश या निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाय, अनुपालन करने में असफल रहेगा या इस अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या इस उल्लंघन करने का प्रयत्न करेगा, वह 'उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 (समय-समय पर यथासंशोधित)" के संगत प्राविधानों के अधीन दण्डनीय होगा।

**३२१५**  
संख्या:- प्र०अ० / कार्मिक / तदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

- मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), सिंचाई विभाग, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
- अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई कार्य मण्डल, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
- अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, रामनगर/रानीखेत।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी / उपकोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- विभागीय पोर्टल पर अपलोड हेतु।
- कट फाईल हेतु।

मुकेश मोहन  
मुख्य अभियन्ता (स्तर-1)

(शरद श्रीवास्तव)  
वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी (कार्मिक-2)  
कृते प्रमुख अभियन्ता

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता  
(कार्मिक अनुभाग-2) सिंचाई विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून

**3215**

पत्रांक:- / प्र०अ० / सिं०वि० / का०-२ / ई-२१ / रथा०

दिनांक 25 जून 2019

— कार्यालय ज्ञाप —

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए निर्गत वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत अनुसार राजस्व अधिष्ठान में कार्यरत निम्नलिखित सीचपर्यवेक्षक को उनके नाम के सम्मुख अंकित कालम-3 में उल्लिखित कार्यालय से कालम-4 में अंकित कार्यालय में एतद्वारा जनहित में स्थानान्तरित किया जाता है।

क्र० सं०	नाम / जन्मतिथि / गृह जनपद	कार्यरत कार्यालय का नाम	स्थानान्तरित कार्यालय का नाम	अधिनियम की धारा	अधिनियम में निहित प्राविधानानुसार वापसी का वर्ष
2	3	4	5	अनिवार्य स्थानान्तरण सुगम से दुर्गम	
01	श्री दीवान सिंह / 01.08.1976 / अल्मोड़ा।	नलकूप खण्ड, हल्द्वानी।	सिंचाई खण्ड, रानीखेत।	उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए स्थानान्तरण विधेयक-2017 की धारा-07 के तहत स्थानान्तरण।	अधिनियम की धारा-7 (ग) में निहित प्राविधानानुसार

सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारियों को यह निर्देशित किया जाता है कि स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित निम्नानुसार प्राविधानों के अन्तर्गत अपने अधिनस्थ कार्यालय से स्थानान्तरित प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित समयान्तर्गत कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा अनुपालन आख्या तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे।

- प्रत्येक स्थानान्तरित कार्मिक को पदरथापित कार्यालय में आदेश निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह तक प्रतिक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। तदनुसार सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कार्मिक को समय कार्यमुक्त कराना होगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को कार्यमुक्त किये जाने के पश्चात वर्तमान कार्यालय द्वारा वेतन आहरित नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को नियमानुसार अनुमन्य कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining) का उपभोग कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कर सकेंगे।
- स्थानान्तरित कार्मिक को किसी प्रकार का अवकाश रखीकृत नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित किये गये कार्मिकों के द्वारा नव तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण न करने पर उनके विरुद्ध धारा 24 के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।
- यदि स्थानान्तरित कार्मिक द्वारा स्थानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पति/पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धियों से प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस कार्मिक की व्यक्तिगत पत्रावली में रखा जायेगा और ऐसे प्रत्यावेदनों को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित कार्मिक की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में भी इस आचरण को अंकित किया जायेगा।
- यदि कोई सरकारी सेवक स्थानान्तरण आदेश के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करे तो, उसके इस कृत्य/आचरण को "सरकारी आचरण नियमावली" का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध "उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 (समय समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
- जो कोई इस अधिनियम के अधीन दिए गए किसी आदेश या निदेश का, ऐसे समय के भीतर, जो उक्त आदेश या निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाय, अनुपालन करने में असफल रहेगा या इस अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या इस उल्लंघन करने का प्रयत्न करेगा, वह 'उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 (समय-समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अधीन दण्डनीय होगा।

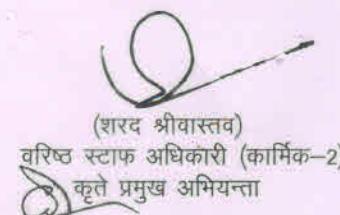
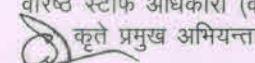
**3215**

संख्या:- / प्र०अ० / कार्मिक / तदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

- मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), सिंचाई विभाग, अल्मोड़ा।
- मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), (यांत्रिक) सिंचाई विभाग, देहरादून।
- अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई कार्य मण्डल, अल्मोड़ा / नलकूप मण्डल, हल्द्वानी।
- अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, रानीखेत / नलकूप खण्ड, हल्द्वानी।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी / उपकोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- विभागीय पोर्टल पर अपलोड हेतु।
- कट फाईल हेतु।

मुकेश मोहन  
मुख्य अभियन्ता (स्तर-1)

  
 (शरद श्रीवास्तव)  
 वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी (कार्मिक-2)  
  
 कृते प्रमुख अभियन्ता

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता  
(कार्मिक अनुभाग-2) सिंचाई विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून

दिनांक 25 जून 2019

**3216**

पत्रांक:- /प्र०अ०/सिंचाई/का०-२/ई-२१/रथा०

— कार्यालय ज्ञाप —

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए निर्गत वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत अनुसार राजस्व अधिष्ठान में कार्यरत निम्नलिखित सींचपर्यवेक्षक को उनके नाम के समुख अंकित कालम-3 में उल्लिखित कार्यालय से कालम-4 में अंकित कार्यालय में एतद्वारा जनहित में स्थानान्तरित किया जाता है।

क० स०	नाम/जन्मतिथि/ गृह जनपद	कार्यरत कार्यालय का नाम	स्थानान्तरित कार्यालय का नाम	अधिनियम की धारा	अधिनियम में निहित प्राविधानानुसार वापसी का वर्ष
		2	3	4	5
<b>अनिवार्य स्थानान्तरण सुगम से दुर्गम</b>					
01	सुभाष चन्द्र/28.06.1977 /मैनीताल	सिंचाई खण्ड, सितारंगज।	सिंचाई खण्ड, अल्मोड़ा।	उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए स्थानान्तरण विधेयक-2017 की धारा-07 के तहत स्थानान्तरण।	अधिनियम की धारा-7 (ग) में निहित प्राविधानानुसार

सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारियों को यह निर्देशित किया जाता है कि रथानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित निम्नानुसार प्राविधानों के अन्तर्गत अपने अधिनरथ कार्यालय से स्थानान्तरित प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित समयान्तर्गत कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा अनुपालन आख्या तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे:-

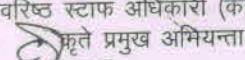
- प्रत्येक स्थानान्तरित कार्मिक को पदस्थापित कार्यालय में आदेश निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह तक प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। तदनुसार सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कार्मिक को समस्य कार्यमुक्त कराना होगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को कार्यमुक्त किये जाने के पश्चात वर्तमान कार्यालय द्वारा वेतन आहरित नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को नियमानुसार अनुमन्य कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining) का उपभोग कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कर सकेंगे।
- स्थानान्तरित कार्मिक को किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित किये गये कार्मिकों के द्वारा नव तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण न करने पर उनके विरुद्ध धारा 24 के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।
- यदि स्थानान्तरित कार्मिक द्वारा स्थानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पति/पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धियों से प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस कार्मिक की व्यक्तिगत पत्रावली में रखा जायेगा और ऐसे प्रत्यावेदनों को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित कार्मिक की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में भी इस आचरण को अंकित किया जायेगा।
- यदि कोई सरकारी सेवक स्थानान्तरण आदेश के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करे तो, उसके इस कृत्य/आचरण को "सरकारी आचरण नियमावली" का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध "उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 (समय समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
- जो कोई इस अधिनियम के अधीन दिए गए किसी आदेश या निदेश का, ऐसे समय के भीतर, जो उक्त आदेश या निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाय, अनुपालन करने में असफल रहेगा या इस अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या इस उल्लंघन करने का प्रयत्न करेगा, वह 'उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली,2003 (समय-समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अधीन दण्डनीय होगा।

मुकेश मोहन  
मुख्य अभियन्ता (स्तर-1)

**3216**  
संख्या:- /प्र०अ०/कार्मिक/तदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

- मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), सिंचाई विभाग, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
- अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई कार्य मण्डल, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
- अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, सितारंगज/अल्मोड़ा।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी /कोषाधिकारी/उपकोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- विभागीय पोर्टल पर अपलोड हेतु।
- कट फाईल हेतु।

  
 (शरद श्रीवास्तव)  
 वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी (कार्मिक-2)  
  
 मृत्ते प्रमुख अभियन्ता

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता  
(कार्मिक अनुभाग-2) सिंचाई विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून

पत्रांक:- ३२१८ / प्र०अ० / सिंचाई / का०-२ / ई-२१ / स्था०

दिनांक 25 जून 2019

३२१८

३२१८

— कार्यालय ज्ञाप —

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए निर्गत वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत अनुसार राजस्व अधिष्ठान में कार्यरत निम्नलिखित सीचपर्यवेक्षक को उनके नाम के सम्मुख अंकित कालम-3 में उल्लिखित कार्यालय से कालम-4 में अंकित कार्यालय में एतद्वारा जनहित में स्थानान्तरित किया जाता है।

क्र० सं०	नाम/जन्मतिथि/ गृह जनपद	कार्यरत कार्यालय का नाम	स्थानान्तरित कार्यालय का नाम	अधिनियम की धारा	अधिनियम में निहित प्रविधानानुसार वापसी का वर्ष
2	3	4	5	अनिवार्य स्थानान्तरण सुगम से दुर्गम	
01	श्री परस राम / 7.8.1971 / उधमसिंहनगर	सिंचाई खण्ड, रुद्रपुर।	सिंचाई खण्ड, घारचूला।	उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए स्थानान्तरण विधेयक-2017 की धारा-07 के तहत स्थानान्तरण।	अधिनियम की धारा-7 (ग) में निहित प्रविधानानुसार

सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारियों को यह निर्देशित किया जाता है कि स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित नियमानुसार प्राविधानों के अन्तर्गत अपने अधिनस्थ कार्यालय से स्थानान्तरित प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित समयान्तरात कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा अनुपालन आर्थ्या तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे।

- प्रत्येक स्थानान्तरित कार्मिक को पदस्थापित कार्यालय में आदेश निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह तक प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। तदनुसार सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कार्मिक को सम्मय कार्यमुक्त कराना होगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को कार्यमुक्त किये जाने के पश्चात वर्तमान कार्यालय द्वारा वेतन आहरित नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को नियमानुसार अनुमन्य कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining) का उपभोग कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कर सकेंगे।
- स्थानान्तरित कार्मिक को किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित किये गये कार्मिकों के द्वारा नव तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण न करने पर उनके विरुद्ध धारा 24 के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।
- यदि स्थानान्तरित कार्मिक द्वारा स्थानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पति/पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धियों से प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस कार्मिक की व्यक्तिगत पत्रावली में रखा जायेगा और ऐसे प्रत्यावेदनों को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित कार्मिक की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में भी इस आचरण को अंकित किया जायेगा।
- यदि कोई सरकारी सेवक स्थानान्तरण आदेश के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करे तो, उसके इस कृत्य/आचरण को "सरकारी आचरण नियमावली" का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध "उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 (समय समय पर यथासंशोधित)" के संगत प्राविधानों के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
- जो कोई इस अधिनियम के अधीन दिए गए किसी आदेश या निदेश का, ऐसे समय के भीतर, जो उक्त आदेश या निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाय, अनुपालन करने में असफल रहेगा या इस अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या इस उल्लंघन करने का प्रयत्न करेगा, वह 'उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 (समय-समय पर यथासंशोधित)" के संगत प्राविधानों के अधीन दण्डनीय होगा।

३२१८

३२१८ / प्र०अ० / कार्मिक / तदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

- मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), सिंचाई विभाग, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
- अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई कार्य मण्डल, हल्द्वानी/पिथौरागढ़।
- अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, रुद्रपुर/घारचूला।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी /कोषाधिकारी/उपकोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- विभागीय पोर्टल पर अपलोड हेतु।
- कट फाईल हेतु।

मुकेश मोहन  
मुख्य अभियन्ता (स्तर-1)

(शरद श्रीवारत्न)  
वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी (कार्मिक-2)  
कृते प्रमुख अभियन्ता

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता  
(कार्मिक अनुभाग-2) सिंचाई विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून

**3210**

पत्रांक:- / प्र०३० / सिं०वि० / का०-२ / ई-२१ / स्था०

दिनांक जून 2019

- कार्यालय ज्ञाप -

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए निर्गत वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत अनुसार राजस्व अधिष्ठान में कार्यरत निम्नलिखित सीचपर्यवेक्षक को उनके नाम के सम्मुख अंकित कालम-3 में उल्लिखित कार्यालय से कालम-4 में अंकित कार्यालय में एतद्वारा जनहित में स्थानान्तरित किया जाता है।

क्र० सं०	नाम / जन्मतिथि / गृह जनपद	कार्यरत कार्यालय का नाम	स्थानान्तरित कार्यालय का नाम	अधिनियम की धारा
	2	3	4	5
<b>अनिवार्य स्थानान्तरण दुर्गम से सुगम</b>				
01	श्री बालम सिंह / 05.06.1972 / अल्मोड़ा	सिंचाई खण्ड, रानीखेत।	सिंचाई खण्ड, रामनगर।	उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए स्थानान्तरण विधेयक-2017 की धारा-10 (क) (ख) के तहत स्थानान्तरण।

सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारियों को यह निर्देशित किया जाता है कि स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित निम्नानुसार प्राविधानों के अन्तर्गत अपने अधिनस्त कार्यालय से स्थानान्तरित प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित समयान्तर्गत कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करें तथा अनुपालन आख्या तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध करायें।

- प्रत्येक स्थानान्तरित कार्मिक को पदरस्थापित कार्यालय में आदेश निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह तक प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। तदनुसार सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कार्मिक को समय कार्यमुक्त कराना होगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को कार्यमुक्त किये जाने के पश्चात वर्तमान कार्यालय द्वारा वेतन आहरित नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को नियमानुसार अनुमन्य कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining) का उपभोग कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कर सकें।
- स्थानान्तरित कार्मिक को किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित किये गये कार्मिकों के द्वारा नव तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण न करने पर उनके विरुद्ध धारा 24 के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।
- यदि स्थानान्तरित कार्मिक द्वारा स्थानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पति/पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धियों से प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस कार्मिक की व्यक्तिगत पत्रावली में रखा जायेगा और ऐसे प्रत्यावेदनों को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित कार्मिक की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में भी इस आचरण को अंकित किया जायेगा।
- यदि कोई सरकारी सेवक स्थानान्तरण आदेश के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करे तो, उसके इस कृत्य/आचरण को "सरकारी आचरण नियमावली" का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध "उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 (समय समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
- जो कोई इस अधिनियम के अधीन दिए गए किसी आदेश या निदेश का, ऐसे समय के भीतर, जो उक्त आदेश या निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाय, अनुपालन करने में असफल रहेगा या इस अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या इस उल्लंघन करने का प्रयत्न करेगा, वह उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली,2003 (समय-समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अधीन दण्डनीय होगा।

**3210**

संख्या:- / प्र०३० / कार्मिक / तदिनांक

मुकेश मोहन  
मुख्य अभियन्ता (स्तर-1)

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

- मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), सिंचाई विभाग, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
- अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई कार्य मण्डल,, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
- अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, रानीखेत/रामनगर।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी/उपकोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- विभागीय पोर्टल पर अपलोड हेतु।
- कट फाईल हेतु।

(शरद श्रीवास्तव)

वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी (कार्मिक-2)

कृते प्रमुख अभियन्ता

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता  
(कार्मिक अनुभाग-2) सिंचाई विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून

3219

पत्रांक:- /प्र०अ०/सिंचाई/का०-२/ई-२१/स्थान

:— कार्यालय ज्ञाप —

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए निर्गत वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत अनुसार राजस्व अधिष्ठान में कार्यरत निम्नलिखित सीचपर्यवेक्षक को उनके नाम के समुख अंकित कालम-3 में उल्लिखित कार्यालय से कालम-4 में अंकित कार्यालय में एतद्वारा जनहित में स्थानान्तरित किया जाता है।

क्र० सं०	नाम/जन्मतिथि/ गृह जनपद	कार्यरत कार्यालय का नाम	स्थानान्तररित कार्यालय का नाम	अधिनियम की धारा
	2	3	4	5
<b>अनिवार्य स्थानान्तरण दुर्गम से सुगम</b>				
01	श्री बच्ची सिंह / 15.4.1979 / अल्मोड़ा।	सिंचाई खण्ड, लोहाघाट।	नलकूप खण्ड, हल्द्वानी।	उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए स्थानान्तरण विधेयक-2017 की धारा-10 (क) (ख) के तहत स्थानान्तरण।

सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारियों को यह निर्देशित किया जाता है कि स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित निम्नानुसार प्राविधानों के अन्तर्गत अपने अधिनरथ कार्यालय से स्थानान्तरित प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित समयान्तर्गत कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा अनुपालन आख्या तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे।

- प्रत्येक स्थानान्तरित कार्मिक को पदस्थापित कार्यालय में आदेश निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह तक प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। तदनुसार सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कार्मिक को सम्मत कार्यमुक्त करना होगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को कार्यमुक्त किये जाने के पश्चात वर्तमान कार्यालय द्वारा वैतन आहरित नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को नियमानुसार अनुमन्य कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining) का उपभोग कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कर सकेंगे।
- स्थानान्तरित कार्मिक को किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित किये गये कार्मिकों के द्वारा नव तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण न करने पर उनके विरुद्ध धारा 24 के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।
- यदि स्थानान्तरित कार्मिक द्वारा स्थानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पति/पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धियों से प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस कार्मिक की व्यक्तिगत पत्रावली में रखा जायेगा और ऐसे प्रत्यावेदनों को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित कार्मिक की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में भी इस आवरण को अंकित किया जायेगा।
- यदि कोई सरकारी सेवक स्थानान्तरण आदेश के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करे तो, उसके इस कृत्य/आचरण को "सरकारी आचरण नियमावली" का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध "उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 (समय समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
- जो कोई इस अधिनियम के अधीन दिए गए किसी आदेश या निदेश का, ऐसे समय के भीतर, जो उक्त आदेश या निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाय, अनुपालन करने में असफल रहेगा या इस अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या इस उल्लंघन करने का प्रयत्न करेगा, वह उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली,2003 (समय-समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अधीन दण्डनीय होगा।

3219

संख्या:- प्र०अ०/कार्मिक/तदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

- मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), सिंचाई विभाग, अल्मोड़ा।
- मुख्य अभियन्ता (स्तर-2) (यांत्रिक) सिंचाई विभाग, देहरादून।
- अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई कार्य मण्डल, पिथौरागढ़ / नलकूप मण्डल, हल्द्वानी।
- अधिकारी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, लोहाघाट / नलकूप खण्ड, हल्द्वानी।
- परिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी / उपकोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- विभागीय पोर्टल पर अपलोड हेतु।
- कट फाईल हेतु।

मुकेश मोहन  
मुख्य अभियन्ता (स्तर-1)

(शरद श्रीवास्तव)  
बृहिष्ठ स्टाफ अधिकारी (कार्मिक-2)  
कृते प्रमुख अभियन्ता

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता  
(कार्मिक अनुभाग-2) सिंचाई विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून

**3220**

पत्रांक:- /प्र०अ०/सिंच०वि०/का०-२/ई-२१/स्था०

दिनांक 25 जून 2019

— कार्यालय झाप —

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए निर्गत वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत अनुसार राजस्व अधिष्ठान में कार्यरत निम्नलिखित सींचपर्यवेक्षक को उनके नाम के सम्मुख अंकित कालम-3 में उल्लिखित कार्यालय से कालम-4 में अंकित कार्यालय में एतदद्वारा स्वयं के अनुरोध पर स्थानान्तरित किया जाता है।

क० स०	नाम/जन्मतिथि/ गृह जनपद	कार्यरत कार्यालय का नाम	स्थानान्तररित कार्यालय का नाम	अधिनियम की धारा
	2	3	4	5
स्वयं के अनुरोध के आधार पर				
01	श्री चन्दन सिंह मेहर /04.02.1980/बागेश्वर।	सिंचाई खण्ड, कपकोट।	पीवएम०जी०एस०वाई० सिंचाई खण्ड, हल्द्वानी	उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए स्थानान्तरण विधेयक-2017 की धारा-13(6) के तहत स्थानान्तरण।

सम्बन्धित नियत्रक अधिकारियों को यह निर्देशित किया जाता है कि स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित निम्नानुसार प्राविधानों के अन्तर्गत अपने अधिनस्थ कार्यालय से स्थानान्तरित प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित समयान्तर्गत कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा अनुपालन आख्या तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे:-

- प्रत्येक स्थानान्तरित कार्मिक को पदस्थापित कार्यालय में आदेश निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह तक प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। तदनुसार सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कार्मिक को समय कार्यमुक्त कराना होगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को कार्यमुक्त किये जाने के पश्चात वर्तमान कार्यालय द्वारा वेतन आहरित नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को नियमानुसार अनुमन्य कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining) का उपभोग कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कर सकेंगे।
- स्थानान्तरित कार्मिक को किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित किये गये कार्मिकों के द्वारा नव तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण न करने पर उनके विरुद्ध धारा 24 के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।
- यदि स्थानान्तरित कार्मिक द्वारा स्थानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पति/पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धियों से प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस कार्मिक की व्यक्तिगत पत्रावली में रखा जायेगा और ऐसे प्रत्यावेदनों को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित कार्मिक की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में भी इस आचरण को अंकित किया जायेगा।
- यदि कोई सरकारी सेवक स्थानान्तरण आदेश के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करे तो, उसके इस कृत्य/आचरण को "सरकारी आचरण नियमावली" का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध "उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 (समय समय पर यथासंशोधित)" के संगत प्राविधानों के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
- जो कोई इस अधिनियम के अधीन दिए गए किसी आदेश या निदेश का, ऐसे समय के भीतर, जो उक्त आदेश या निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाय, अनुपालन करने में असफल रहे तो इस अधिनियम के किन्ही उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या इस उल्लंघन करने का प्रयत्न करेगा, वह उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 (समय-समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अधीन दण्डनीय होगा।

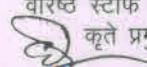
**3220**

संख्या:- /प्र०अ०/कार्मिक/तदिनांक

मुकेश मोहन  
मुख्य अभियन्ता (स्तर-1)

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

- मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), सिंचाई विभाग, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
- अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई कार्य मण्डल, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
- अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, कपकोट/पी०एम०जी०एस०वाई० सिंच० हल्द्वानी।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी /कोषाधिकारी/उपकोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- विभागीय पोर्टल पर अपलोड हेतु।
- कट फाईल हेतु।

  
 (शरद श्रीवास्तव)  
 वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी (कार्मिक-2)  
 कृति प्रमुख अभियन्ता

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता  
 (कार्मिक अनुसारा-2) सिंचाई विभाग,  
 उत्तराखण्ड, देहरादून

३२१

पत्रांक:- / प्र०अ० / सिंचाई / का०-२ / ई-२१ / स्था०

दिनांक 25 जून 2019

कार्यालय ज्ञाप :-

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए निर्गत वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत अनुसार राजस्व अधिष्ठान में कार्यरत निम्नलिखित सीधपालों को उनके नाम के सम्मुख अंकित कालम-3 में उल्लिखित कार्यालय से कालम-4 में अंकित कार्यालय में एतदद्वारा जनहित में स्थानान्तरित किया जाता है।

क० सं०	नाम/जन्मतिथि/ गृह जनपद	कार्यरत कार्यालय का नाम	स्थानान्तरित कार्यालय का नाम	अधिनियम की धारा	अधिनियम में निहित प्रविधानानुसार वापसी का वर्ष
2	/ 3	4	5	अनिवार्य स्थानान्तरण सुगम से दुर्गम	
01	श्रीमती बीना शर्मा 01.07.1978 / बरेली	सिंचाई खण्ड, काशीपुर।	सिंचाई खण्ड, अल्मोड़ा	उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए स्थानान्तरण विधेयक-2017 की धारा-07 के तहत स्थानान्तरण।	अधिनियम की धारा-7 (ग) में निहित प्रविधानानुसार

सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारियों को यह निर्देशित किया जाता है कि स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित निम्नानुसार प्राविधानों के अन्तर्गत अपने अधिनरथ कार्यालय से स्थानान्तरित प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित समयान्तर्गत कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा अनुपालन आख्या तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे:-

1. प्रत्येक स्थानान्तरित कार्मिक को पदस्थापित कार्यालय में आदेश निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह तक प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। तदनुसार सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कार्मिक को सासमय कार्यमुक्त कराना होगा।
2. स्थानान्तरित कार्मिक को कार्यमुक्त किये जाने के पश्चात वर्तमान कार्यालय द्वारा वेतन आहरित नहीं किया जायेगा।
3. स्थानान्तरित कार्मिक को नियमानुसार अनुमत्य कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining) का उपभोग कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कर सकेंगे।
4. स्थानान्तरित कार्मिक को किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
5. स्थानान्तरित किये गये कार्मिकों के द्वारा नव तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण न करने पर उनके विरुद्ध धारा 24 के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।
6. यदि स्थानान्तरित कार्मिक द्वारा स्थानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पति/पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धियों से प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस कार्मिक की व्यक्तिगत पत्रावली में रखा जायेगा और ऐसे प्रत्यावेदनों को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित कार्मिक की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में भी इस आचरण को अंकित किया जायेगा।
7. यदि कोई सरकारी सेवक स्थानान्तरण आदेश के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करे तो, उसके इस कृत्य/आचरण को "सरकारी आचरण नियमावली" का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध "उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 (समय समय पर यथासंशोधित)" के संगत प्राविधानों के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
8. जो कोई इस अधिनियम के अधीन दिए गए किसी आदेश या निदेश का, ऐसे समय के भीतर, जो उक्त आदेश या निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाय, अनुपालन करने में असफल रहेगा या इस अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या इस उल्लंघन करने का प्रयत्न करेगा, वह उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 (समय-समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अधीन दण्डनीय होगा।

३२२

संख्या:- / प्र०अ० / कार्मिक / तदिनांक

मुकेश मोहन  
मुख्य अभियन्ता (स्तर-१)

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), सिंचाई विभाग, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
2. अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई कार्य मण्डल, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
3. अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, काशीपुर/अल्मोड़ा।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी/उपकोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. विभागीय पोर्टल पर अपलोड हेतु।
6. कट फाईल हेतु।

(शरद श्रीवारत्न)  
वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी (कार्मिक-2)  
कृत प्रमुख अभियन्ता

**कार्यालय प्रमुख अभियन्ता**  
**(कार्मिक अनुभाग-2) सिंचाई विभाग,**  
**उत्तराखण्ड, देहरादून**

**3222**

पत्रांक:- / प्र०अ० / सिं०वि० / का०-२ / ई-२१ / रथा०

दिनांक 25 जून 2019

— कार्यालय ज्ञाप —

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए निर्गत वार्षिक रथानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत अनुसार राजस्व अधिष्ठान में कार्यरत निम्नलिखित सींचपालों को उनके नाम के सम्मुख अंकित कालम-3 में उल्लिखित कार्यालय से कालम-4 में अंकित कार्यालय में एतदद्वारा जनहित में रथानान्तरित किया जाता है।

का० सं०	नाम/जन्मतिथि/ गृह जनपद	कार्यरत कार्यालय का नाम	रथानान्तरित कार्यालय का नाम	अधिनियम की धारा	अधिनियम में निहित प्रविधानानुसार वापसी का वर्ष
2	3	4	5	अनिवार्य स्थानान्तरण सुगम से दुर्गम	
01	श्री विजय कुमार पाण्डेय, / 19.11.1966 / देहरादून	सिंचाई खण्ड, देहरादून।	सिंचाई खण्ड, पुरोला।	उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए स्थानान्तरण विधेयक-2017 की धारा-०७ के तहत रथानान्तरण।	अधिनियम की धारा-७ (ग) में निहित प्रविधानानुसार

सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारियों को यह निर्देशित किया जाता है कि रथानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित निम्नानुसार प्राविधानों के अन्तर्गत अपने अधिनस्त कार्यालय से रथानान्तरित प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित समयान्तर्गत कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करें तथा अनुपालन आख्या तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध करायें:-

- प्रत्येक रथानान्तरित कार्मिक को पदस्थापित कार्यालय में आदेश निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह तक प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। तदनुसार सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कार्मिक को सम्मय कार्यमुक्त कराना होगा।
- रथानान्तरित कार्मिक को कार्यमुक्त किये जाने के पश्चात वर्तमान कार्यालय द्वारा वेतन आहरित नहीं किया जायेगा।
- रथानान्तरित कार्मिक को नियमानुसार अनुमन्य कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining) का उपभोग कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कर सकेंगे।
- रथानान्तरित कार्मिक को किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
- रथानान्तरित किये गये कार्मिकों के द्वारा नव तैनाती के रथान पर कार्यभार ग्रहण न करने पर उनके विरुद्ध धारा 24 के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।
- यदि रथानान्तरित कार्मिक द्वारा रथानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पति/पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धियों से प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस कार्मिक की व्यक्तिगत पत्रावली में रखा जायेगा और ऐसे प्रत्यावेदनों को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित कार्मिक की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में भी इस आचरण को अंकित किया जायेगा।
- यदि कोई सरकारी सेवक रथानान्तरण आदेश के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करे तो, उसके इस कृत्य/आचरण को “सरकारी आचरण नियमावली” का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध “उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 (समय समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
- जो कोई इस अधिनियम के अधीन दिए गए किसी आदेश या निदेश का, ऐसे समय के भीतर, जो उक्त आदेश या निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाय, अनुपालन करने में असफल रहेगा या इस अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या इस उल्लंघन करने का प्रयत्न करेगा, वह उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 (समय-समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अधीन दण्डनीय होगा।

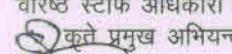
**3222**

संख्या:- / प्र०अ० / कार्मिक / तदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

- मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), सिंचाई विभाग, देहरादून।
- अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई कार्य मण्डल, देहरादून/उत्तरकाशी।
- अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, देहरादून/पुरोला।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी/उपकोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- विभागीय पोर्टल पर अपलोड हेतु।
- कट फाईल हेतु।

मुकेश मोहन  
मुख्य अभियन्ता (स्तर-1)

  
 (शरद श्रीवास्तव)  
 वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी (कार्मिक-2)  
  
 कर्ते प्रमुख अभियन्ता

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता  
(कार्मिक अनुसार-2) सिंचाई विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून

**3223**

पत्रांक:- /प्र0अ0/ सिं0वि0/ का0-2/ ई-21/ स्थान

दिनांक 25 जून 2019

- कार्यालय झाप -

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए निर्गत वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत अनुसार राजस्व अधिष्ठान में कार्यरत निम्नलिखित सींचपालों को उनके नाम के सम्मुख अंकित कालम-3 में उल्लिखित कार्यालय से कालम-4 में अंकित कार्यालय में एतद्वारा जनहित में स्थानान्तरित किया जाता है।

क्र0 सं0	नाम/जन्मतिथि/ गृह जनपद	कार्यरत कार्यालय का नाम	स्थानान्तरित कार्यालय का नाम	अधिनियम की धारा
2	3	4	5	
<b>अनिवार्य स्थानान्तरण दुर्गम से सुगम</b>				
01	श्री भरत सिंह / 16.08.1970 / टिहरी।	सिंचाई खण्ड, पुरोला।	सिंचाई खण्ड, नरेन्द्रनगर।	उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए स्थानान्तरण विधेयक-2017 की धारा-07 के तहत स्थानान्तरण।

सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारियों को यह निर्देशित किया जाता है कि स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित निम्नानुसार प्राविधानों के अन्तर्गत अपने अधिनरथ कार्यालय से स्थानान्तरित प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित समयान्तरगत कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करें तथा अनुपालन आव्याय तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध करायें।

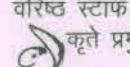
- प्रत्येक स्थानान्तरित कार्मिक को पदस्थापित कार्यालय में आदेश निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह तक प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। तदनुसार सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कार्मिक को समयमय कार्यमुक्त कराना होगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को कार्यमुक्त किये जाने के पश्चात वर्तमान कार्यालय द्वारा वेतन आहरित नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को नियमानुसार अनुमन्य कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining) का उपभोग कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कर सकेंगे।
- स्थानान्तरित कार्मिक को किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित किये गये कार्मिकों के द्वारा नव तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण न करने पर उनके विरुद्ध धारा 24 के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।
- यदि स्थानान्तरित कार्मिक द्वारा स्थानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पति/पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धियों से प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस कार्मिक की व्यवित्रण अवधि के अन्तर्गत पत्रावली में रखा जायेगा और ऐसे प्रत्यावेदनों को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित कार्मिक की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में भी इस आचरण को अंकित किया जायेगा।
- यदि कोई सरकारी सेवक स्थानान्तरण आदेश के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करे तो, उसके इस कृत्य/आचरण को "सरकारी आचरण नियमावली" का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध" उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 (समय समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
- जो कोई इस अधिनियम के अधीन दिए गए किसी आदेश या निदेश का, ऐसे समय के भीतर, जो उक्त आदेश या निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाय, अनुपालन करने में असफल रहेगा या इस अधिनियम के किही उपबच्चों का उल्लंघन करेगा या इस उल्लंघन करने का प्रयत्न करेगा, वह 'उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 (समय-समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अधीन दण्डनीय होगा।

संख्या:- **2223** /प्र0अ0/ कार्मिक/ तदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

- मुख्य अभियन्ता (रत्तर-2), सिंचाई विभाग, देहरादून/ हरिद्वार।
- अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई कार्य मण्डल, उत्तराखण्ड/ नई टिहरी।
- अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, पुरोला/ नरेन्द्रनगर।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी /कोषाधिकारी/ उपकोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- विभागीय पोर्टल पर अपलोड हेतु।
- कट फाईल हेतु।

मुकेश मोहन  
मुख्य अभियन्ता (स्तर-1)

  
 (शरद श्रीवास्तव)  
 वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी (कार्मिक-2)  
  
 कृते प्रमुख अभियन्ता

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता  
(कार्मिक अनुसार-2) सिंचाई विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून

पत्रांक: 3224 प्र030 / सिंचाई / का0-2 / ई-21 / रथा0

दिनांक 25 जून 2019

- कार्यालय ज्ञाप -

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए निर्गत वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित प्राविधिकों के अन्तर्गत अनुसार राजस्व अधिष्ठान में कार्यरत निम्नलिखित सींचपालों को उनके नाम के सम्मुख अंकित कालम-3 में उल्लिखित कार्यालय से कालम-4 में अंकित कार्यालय में एतद्वारा जनहित में स्थानान्तरित किया जाता है।

क्र० सं०	नाम/जन्मतिथि/ गृह जनपद	कार्यरत कार्यालय का नाम	स्थानान्तररित कार्यालय का नाम	अधिनियम की धारा
	2	3	4	5
<b>/अनिवार्य स्थानान्तरण दुर्गम से सुगम</b>				
01	श्री रणवीर सिंह नेगी, / 14.10.1964 / टिहरी।	सिंचाई खण्ड, नई टिहरी।	सिंचाई खण्ड, नरेन्द्रनगर।	उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए स्थानान्तरण विधेयक-2017 की धारा-07 के तहत स्थानान्तरण।

सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारियों को यह निर्देशित किया जाता है कि स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित निम्नानुसार प्राविधिकों के अन्तर्गत अपने अधिनस्त कार्यालय से स्थानान्तरित प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित समयान्तर्गत कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा अनुपालन आख्या तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे।

- प्रत्येक स्थानान्तरित कार्मिक को पदस्थापित कार्यालय में आदेश निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह तक प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। तदनुसार सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कार्मिक को समय कार्यमुक्त कराना होगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को कार्यमुक्त किये जाने के पश्चात वर्तमान कार्यालय द्वारा वेतन आहरित नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को नियमानुसार अनुमन्य कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining) का उपभोग कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कर सकेंगे।
- स्थानान्तरित कार्मिक को किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित किये गये कार्मिकों के द्वारा नव तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण न करने पर उनके विरुद्ध धारा24 के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।
- यदि स्थानान्तरित कार्मिक द्वारा स्थानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पति/पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धियों से प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस कार्मिक की व्यवित्तगत पत्रावली में रखा जायेगा और ऐसे प्रत्यावेदनों को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित कार्मिक की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में भी इस आचरण को अंकित किया जायेगा।
- यदि कोई सरकारी सेवक स्थानान्तरण आदेश के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करे तो, उसके इस कृत्य/आचरण को "सरकारी आचरण नियमावली" का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध "उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 (समय समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधिकों के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
- जो कोई इस अधिनियम के अधीन दिए गए किसी आदेश या निदेश का, ऐसे समय के भीतर, जो उक्त आदेश या निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाय, अनुपालन करने में असफल रहेगा या इस अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या इस उल्लंघन करने का प्रयत्न करेगा, वह उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली,2003 (समय-समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधिकों के अधीन दण्डनीय होगा।

संख्या:- 3224 प्र030 / कार्मिक / तदिनांक

मुकेश मोहन  
मुख्य अभियन्ता (स्तर-1)

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

- मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), सिंचाई विभाग, हरिद्वार।
- अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई कार्य मण्डल, नई टिहरी।
- अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, नई टिहरी / नरेन्द्रनगर।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी / उपकोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- विभागीय पोर्टल पर अपलोड हेतु।
- कट फाईल हेतु।

  
 (श्री श्रीवास्तव)  
 वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी (कार्मिक-2)  
  
 कृते प्रमुख अभियन्ता

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता  
(कार्मिक अनुभाग-2) सिंचाई विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून

**3225**

पत्रांक: /प्र०अ०/सिंच०/का०-२/ई-२१/स्था०

दिनांक 25 जून 2019

— कार्यालय ज्ञाप —

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए निर्गत वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत अनुसार राजस्व अधिष्ठान में कार्यरत निम्नलिखित सीधपालों को उनके नाम के सम्मुख अंकित कालम-3 में उल्लिखित कार्यालय से कालम-4 में अंकित कार्यालय में एतदद्वारा जनहित में स्थानान्तरित किया जाता है।

क्र० सं०	नाम/जन्मतिथि/ गृह जनपद	कार्यरत कार्यालय का नाम	स्थानान्तरित कार्यालय का नाम	अधिनियम की धारा
2	3	4	5	अनिवार्य स्थानान्तरण दुर्गम से सुगम
01	श्री बलवन्त सिंह /12.10.1967/ अल्मोड़ा।	सिंचाई खण्ड, बागेश्वर।	सिंचाई खण्ड, हल्द्वानी।	उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए स्थानान्तरण विधेयक-2017 की धारा-07 के तहत स्थानान्तरण।

सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारियों को यह निर्देशित किया जाता है कि स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित निम्नानुसार प्राविधानों के अन्तर्गत अपने अधिनस्थ कार्यालय से स्थानान्तरित प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित समयान्तर्गत कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा अनुपालन आव्याह तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे:-

- प्रत्येक स्थानान्तरित कार्मिक को पदस्थापित कार्यालय में आदेश निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह तक प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। तदनुसार सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कार्मिक को समय कार्यमुक्त कराना होगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को कार्यमुक्त किये जाने के पश्चात वर्तमान कार्यालय द्वारा वेतन आहरित नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित कार्मिक को नियमानुसार अनुमन्य कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining) का उपभोग कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कर सकेंगे।
- स्थानान्तरित कार्मिक को किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
- स्थानान्तरित किये गये कार्मिकों के द्वारा नव तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण न करने पर उनके विरुद्ध धारा 24 के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।
- यदि स्थानान्तरित कार्मिक द्वारा स्थानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पति/पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धियों से प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस कार्मिक की व्यक्तिगत पत्रावली में रखा जायेगा और ऐसे प्रत्यावेदनों को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित कार्मिक की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में भी इस आचरण को अंकित किया जायेगा।
- यदि कोई सरकारी सेवक स्थानान्तरण आदेश के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करे तो, उसके इस कृत्य/आचरण को "सरकारी आचरण नियमावली" का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध "उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 (समय समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
- जो कोई इस अधिनियम के अधीन दिए गए किसी आदेश या निदेश का, ऐसे समय के भीतर, जो उक्त आदेश या निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाय, अनुपालन करने में असफल रहेगा या इस अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या इस उल्लंघन करने का प्रयत्न करेगा, वह 'उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली,2003 (समय-समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अधीन दण्डनीय होगा।

**3225**

संख्या:— /प्र०अ०/कार्मिक/तदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

- मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), सिंचाई विभाग, अल्मोड़ा/हल्द्वानी।
- अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई कार्य मण्डल, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
- अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, बागेश्वर/हल्द्वानी।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी /कोषाधिकारी/उपकोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- विभागीय पोर्टल पर अपलोड हेतु।
- कट फाईल हेतु।

मुकेश मोहन  
मुख्य अभियन्ता (स्तर-1)

(शरद श्रीवास्तव)  
वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी (कार्मिक-2)

कृते प्रमुख अभियन्ता

**कार्यालय प्रमुख अभियन्ता**  
**(कार्मिक अनुभाग-2) सिंचाई विभाग,**  
**उत्तराखण्ड, देहरादून**

पत्रांक 3226 प्र0अ0 / सिं0वि0 / का10-2 / ई-21 / रथा

दिनांक 25 जून 2019

— कार्यालय ज्ञाप —

उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए निर्गत वार्षिक स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत अनुसार राजस्व अधिष्ठान में कार्यरत निम्नलिखित वरिष्ठ मुख्य राजस्व सहायक ग्रेड-2, को उनके नाम के समुख अंकित कालम-3 में उल्लिखित कार्यालय से कालम-4 में अंकित कार्यालय में एतदद्वारा जनहित में स्थानान्तरित किया जाता है।

क्र0 सं0	नाम/जन्मतिथि/ गृह जनपद	कार्यरत कार्यालय का नाम	स्थानान्तरित कार्यालय का नाम	अधिनियम की धारा	अधिनियम में निहित प्रविधानानुसार वापसी का वर्ष
				4	5
<b>अनिवार्य स्थानान्तरण सुगम से दुर्गम</b>					
01	श्री महेश चन्द्र जोशी, /30.6.1963 / अल्मोड़ा	सिंचाई खण्ड, सितारंगज	सिंचाई खण्ड, रानीखेत	उत्तराखण्ड लोक सेवकों के लिए स्थानान्तरण विधेयक-2017 की धारा-07 के तहत स्थानान्तरण।	अधिनियम की धारा-7 (ग) में निहित प्रविधानानुसार

सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारियों को यह निर्देशित किया जाता है कि स्थानान्तरण अधिनियम-2017 में निहित निम्नानुसार प्राविधानों के अन्तर्गत अपने अधिनस्थ कार्यालय से स्थानान्तरित प्रत्येक कार्मिक को निर्धारित समयान्तर्गत कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा अनुपालन आख्या तत्काल इस कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे:-

1. प्रत्येक स्थानान्तरित कार्मिक को पदस्थापित कार्यालय में आदेश निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह तक प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। तदनुसार सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कार्मिक को समय कार्यमुक्त कराना होगा।
2. स्थानान्तरित कार्मिक को कार्यमुक्त किये जाने के पश्चात वर्तमान कार्यालय द्वारा वेतन आहरित नहीं किया जायेगा।
3. स्थानान्तरित कार्मिक को नियमानुसार अनुमत्य कार्यभार ग्रहण अवधि (Joining) का उपभोग कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कर सकेंगे।
4. स्थानान्तरित कार्मिक को किसी प्रकार का अवकाश रखीकृत नहीं किया जायेगा।
5. स्थानान्तरित किये गये कार्मिकों के द्वारा नव तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण न करने पर उनके विरुद्ध धारा 24 के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।
6. यदि स्थानान्तरित कार्मिक द्वारा स्थानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पति/पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धियों से प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस कार्मिक की व्यक्तिगत पत्रावली में रखा जायेगा और ऐसे प्रत्यावेदनों को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित कार्मिक की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में भी इस आचरण को अंकित किया जायेगा।
7. यदि कोई सरकारी सेवक स्थानान्तरण आदेश के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करे तो, उसके इस कृत्य/आचरण को "सरकारी आचरण नियमावली" का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध "उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 (समय समय पर यथासंशोधित)" के संगत प्राविधानों के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
8. जो कोई इस अधिनियम के अधीन दिए गए किसी आदेश या निदेश का, ऐसे समय के भीतर, जो उक्त आदेश या निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाय, अनुपालन करने में असफल रहेगा या इस अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या इस उल्लंघन करने का प्रयत्न करेगा, वह उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 (समय-समय पर यथासंशोधित) के संगत प्राविधानों के अधीन दण्डनीय होगा।

मुकेश मोहन  
मुख्य अभियन्ता (स्तर-1)

संख्या: 3226/प्र0अ0/कार्मिक/तदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. मुख्य अभियन्ता (स्तर-2), सिंचाई विभाग, हल्द्वानी/अल्मोड़ा।
2. अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई कार्य मण्डल, अल्मोड़ा/उधमसिंहनगर।
3. अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, सितारंगज/रानीखेत।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी/उपकोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. विभागीय पोर्टल पर अपलोड हेतु।
6. कट फाईल हेतु।

(शरद श्रीवास्तव)  
वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी (कार्मिक-2)  
कृते प्रमुख अभियन्ता